

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, रंका।

अर्जेंट वाद सं० - 15/2023 धारा 144 द०प्र०स०

सुनीता देवी बनाम प्रेम सोनी वगैरह

आदेश

आदेश की
क्र० सं० और
तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की
गई कार्रवाई के
बारे में टिप्पणी,
तारीख सहित

12/5/2023

अभिलेख उपस्थापित।

यह वाद अचल अधिकारी, रंका के पत्रांक 117 दिनांक 10.03.2023 के जॉच प्रतिवेदन के आधार पर यह प्रक्रिया प्रारम्भ किया गया है। भूमि का विवरण निम्न प्रकार है :-

ग्राम	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम
रंका	नया 418	नया 2024/ 2404	3.33 एकड़	रोड	नदी	प्रेम सोनी	मानिकचन्द सोनी

प्रथम पक्षकार का कथन है कि इस वाद में अभी तक कोई समाधान नहीं हो सकी है जबतक की वृहत सुनवाई न हो निराकरण नहीं सकता है जबकि उभय पक्षकारों के बीच उक्त विवाद के कारण अभी भी शांतिभंग की स्थिति बनी हुई है इस परिस्थिति में इस वाद की वृहत सुनवाई की आवश्यकता है उक्त वाद को धारा 144 द०प्र०स० से प्रवर्तित कर धारा 145 की जाने हेतु अनुरोध किया गया है। अचल अधिकारी, रंका का पत्रांक 117 दिनांक 10.03.23 आवेदिका सुनीता देवी पति बसंत सोनी ग्राम रंका कला को जॉच प्रतिवेदन का अवलोकन किया जिसमें उप राजस्व कर्मचारी के जॉच प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि आवेदिका द्वारा प्रस्तुत कागजात एवं स्थल का जॉच किया गया, मौजा रंका कला के हाल सर्वे खाता संख्या 418 प्लॉट संख्या 2024/2404 रकबा 3.33 एकड़ का ऑनलाईन माग सुनीता देवी के नाम चलता है। आवेदिका अपनी भूमि के पैमाइश के लिए अचल कार्यालय रंका में सीमाकन वाद संख्या 91/202-23 का आवेदन है जो प्रक्रिया में है। जो खाता संख्या 418 खेसरा संख्या 2404 रकबा 0.03 1/3 एकड़ का सीमाकन करने स्थल में गये, राजस्व कागजातों का जॉच किया गया। आवेदिका भूमि माग आवेदिका के नाम से पजी II के पृष्ठ संख्या 87/18 पर चलता है। स्थल पर तीनों हिस्सेदारों की भूमि का नापी कर आर कायम कर दिया गया है। तीनों फरिद पूर्व से ही अपना-अपना मकान का पूर्ण एवं अर्द्ध निर्माण किये है। सीमाकित भूमि को ट्रेश नक्शा में लाल रंग से दर्शाया गया है। (1) मानिक चन्द सोनी को 3300 वर्ग कड़ी (2) बसंत सोनी को 3200 (3) प्रेम सोनी को भूमि होता है 300 वर्ग कड़ी भूमि कम है। सीमाकन को समय तीनों हिस्सेदार उपस्थित थे जिनका हस्ताक्षर एक पन्ना पर दर्ज है। नापी के समय किसी के द्वारा कोई आपत्ति नहीं किया गया है।

द्वितीय पक्ष के द्वारा कोई पैरवी नहीं किया गया नहीं कारणपृच्छा दाखिल किया है। धारा 144 द०प्र०स० की प्रक्रिया समय अवधि समाप्त हो गई है। इसलिए वाद की कार्यवाही को समाप्त की जाती है।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी
रंका।

12.5.23